अगाह्य (a-gāhya) *m.* one of the names of Jina (the Unfathomable) (भो जिन) त्वाम्…नाम्नामष्टसहस्रेण तोष्टुमोऽभीष्टसिद्धये ।…अगाह्यो गहनं गुह्यम् MahāP. 25. 149.

अगि (a-gi) (Gr.) not preceded by a verbal prefix or preposition वागेः JaineVyā. i. 2. 39 (comm. अगेः क्रमो वा दो भवति । … अगेरिति किम् संक्रामति); i. 2. 71; ii. 1. 111; ii. 1. 116; ii. 3. 24; ii. 3. 62; ii. 3. 64; v. 1. 48; अगेर्ढ्याम् । अगेरिणोर्धः स्यात् किति ढ्याम् । अगेः किम् । अन्वियात् MugdhaBo. 9. 15 (105. 4); 18. 23 (125. 19); 23. 34 (138. 17); 23. 58 (141. 1); 24. 7 (142. 13); 26. 15 (150. 3); 26. 35 (152. 23); 26. 116 (163. 9)

[1]**अगित्** (a-git) (Gr.) other than *git* विरामेऽगिदनाङ् चाद्यण्वानुनासिकः S'ākaṭāVyā. i. 1. 68.

[2]**अगित्** (ag-it) (Gr.) having an indicatory *ak* णेरग्लोपेऽपि संबन्धस्त्वगितामपि सिद्धये SiddhāKau. 366B. 7.

अगिदेवी (agi-devī) *f.* name of a goddess अगिदेवीवरलव्ध(? ब्ध)प्रसाद …रामदेवपादाः EI. xxiii. 143. 3.

अगिर (agira) *m.* **1** fire **2** the sun **3** Rākṣasa [Jaṭādhara in S'abdaKaDru.] **4** the heaven [Apte)

अगिरि (a-giri) *m.* no mountain, mountain which has lost its character कुपितवति श्रीविजये…नरेन्द्रदण्डाधिपतौ गिरिरगि[रि]र्व्वनमवनं जलमजलम् EI. x. 151. 19.

अगिरिभिद् (a-giribhid) *adj.* not breaking any mountain (नदीः) ता अगिरिभिदोऽपि नातीयात् ĀpaS'S. xi. 20. 6 (comm.)

अगिरौकस् (á-giraukas) *adj.* [AltGr. II. 1. p. 278 ?] not at home in the mountain धन्वंश्रिचे अनाशवो जीराश्चिदगिरौकसः R̥V. i. 135. 9.

अगिल (a-gila) (Gr.) other than the word *gila* अगिलस्य गिले(मुम्) CāndrVyā. v. 2. 81; गिलगिलगिलयोरचोऽगिलस्य S'ākaṭāVyā. ii. 2. 77; Kātan. iv. 1. 24; SiddhaHe. iii. 2. 115.

अगीत (a-gīta) *adj.* **i** not sung, not chanted सावित्रीगेयं यत्रागीतम् DevaBr. 3. 23; **ii** devoid of songs, without songs अवाद्यमानवादित्रमगीतमजनारवम् । रङ्गस्थलमिवासन्नपात्रागममभूत्पुरम् UdaySuKa. 107. 10; *n.* not a chant अच्छन्दांस्यगीतानि यजूंषि KāvyMī. 2. 22.

अगीतकाङ्गत्व (agītakāṅga-tva) *n.* state of not being an auxiliary part of music विचारणीयस्य चावापनिष्क्रामादेरगीतकाङ्गत्वमस्त्येव AbhinBhā. i. 179. 13 (*on* 4. 267)

अगीतापाठिन् (a-gītāpāṭhin) *adj.* one who does not study the (Bhagavad-)gītā अमेध्यस्पर्शनिरतास्त्यक्तविष्णूत्सवाश्च ये । अगीतापाठिनो विष्णौ सामान्यमतयो द्विजाः…दैवे पित्र्ये न वै पूज्याः BṛBrahmaS. iv. 4. 60.

अगीतित्व (agīti-tva) *n.* the nature of being different from (the Sāman) chanting ऋगक्षराणामगीतित्वान्निवृत्तिः S'ābaBh. 1727. 13 (*on* ix. 2. 34); स्तोभा नोत प्रदिश्यन्ते नागीतित्वेन वर्णवत् NyāyMāVi. 448. 15 (*on* ix. 2. 10)

अगीतोह (agītoha) *adj.* in which the mode of chanting the model is not introduced यद्वैतदप्याद्या विरता एवोहनादिति, अगीतोहास्ते भवन्ति NidāSū. 23. 10 (2. 1)

अगीयमानसाममन्त्रता (agīyamānasāmamantra-tā) *adj.* the state of consisting of *mantras*, not chanted with the *sāman* chant अन्ये…अगीयमानसाममन्त्रतावशाच्च ऋग्वेदमेवाथर्ववेदमाचक्षते NyāyMañ. i. 237. 5.

अगीष्क (agīṣ-ka) *adj.* speechless अगीष्कः…इत्यत्र विसर्जनीयत्वषत्वादेरसिद्धत्वात् DurghVṛ. vii. 4. 13; PariVṛ.(Sī.) 2. 8; 2. 15.

अगीष्पाश (a-gīṣpāśa) *adj.* [*f.* -ā] whose speech is not bad (i. e. good) स्त्रियम् । ससर्पिष्कामगीष्पाशाम्…स ऐक्षत DvyāśraKā. 3. 91.

[1]**अगु** (á-gu) *adj.* [AltGr. II. i. p. 293; III. p. 219] **Ai** without cows (i. e. poor) उक्थं चन शस्यमानमगोररिरा चिकेत R̥V. viii. 2. 14 (Sāy. गायतेर्गौः, अगोः अस्तोतुः); **Aii** without an ox हलमगु बलस्य SaduktiKa. 308. 3; **B** having no cow i. e. cowness न चैवं विषयः कश्चित् बहुव्रीहेः प्रकल्पते । अगुरश्च इति व्याप्तिर्नञ्समासेन यस्य न VākyaP. 3(14). 306; **C** having very few cows 'अगुर्यथाविधी 'ति केचित्पठन्ति तत्र नञल्पवचनो द्रष्टव्योऽल्पगुरिति ManuBh. i. 248. 6 (*on* 3. 85); **D** wicked [Apte]

[2]**अगु** (a-gu) *adj.* having no lustre, dull अगो धनंजयं प्राप्य भविष्यसि वृथाश्रमः KīcaVa. 4. 37.

अगु (a-gu) *m.* **1** the planet Rāhu (who is of the nature of darkness and so deprived of lustre or rays) राहुस्तमोऽसुरोऽगुश्च HorāSā. 2. 40; राहुस्तमोऽगुरसुरश्च Bṛhajjā. 2. 3; रविविधू विदधीत…। समलवावयवौ तु विधुग्रहं समवगन्तुमगुं च तदोक्तवत् GrahaGa. 112. 7 (11. 2); राहुः सर्पासुरफणितमःसैंहिकेयागवश्च JātaPā. 2. 4; शैला द्वौ खशरा अगोः GrahaLā. 1. 7; 1. 11; 5. 2; राहौ स्युः…अगुः स्वर्भानुभरणभारणाभ्रपिशाचकाः KośaKaTa. 1. 710; राहावगुरुदाहृतः S'abdaRasaK. 59. 4; **2** darkness [Apte]

अगुञ्जिन् (a-guñjin) *adj.* not making sound अगुञ्जिमञ्जुमुरजं विध्वस्तगीतध्वनि ।…कथं पुनरिदं (? पुरमिदं) मौनव्रते वर्तते BālRā. 6. 12.

अगुटिकान्वेषिन् (aguṭikānveṣin) (?) *adj.* who was searching for the horses or pebbles द्रङ्गाधिपेनागुटिकान्वेषिणा(v. l. गुटिका°) स ह्यवाप्यत RājTa.(Ka.) 8. 1578.

अगुड (a-guḍa) *adj.* other than brown sugar (i. e. jaggery) कदलीलवलीधात्रीफलान्यगुडमैक्षवम् । अतैलपक्वं मुनयो हविष्यान्नं प्रचक्षते PadmP. iv. 79. 55 = BṛDharmaP. ii. 5. 11.

अगुडपिष्टशीथुज (a-guḍapiṣṭaśīthuja) *adj.* [*f.* -ā] prepared from other than jaggery, (fermented) flour and molasses (i. e. not distilled from jaggery, flour and molasses) वारुणीम्…अद्भुतामगुडपिष्टशीथुजाम्…अपांपतिः संनिधाप्य निपपात पादयोः S'ivLī. 10. 51.

अगुण (a-guṇa) *adj.* [*f.* -ā] **1A** without any qualification **B** without a subsidiary (substance etc.) **C** not secondary, principal **2A** destitute of any good quality **B** having bad qualities **3A** without the (three) qualities **B** without any quality **C** without any attribute **4** without a string **5** without the *guṇa* change **1A** without any qualification सगुणस्थानेऽगुणः सर्वविकार एकत्वात् KātyS'S. vi. 7. 23; तस्य (ब्राह्मणस्य) तेन गुणेन सगुणम् । शूद्रस्य गुणाभावादगुणमेव ṬupṬ. 99. 7 (*on* vi. 1. 27); **1B** without a subsidiary (substance etc.) अगुणे तु कर्मशब्दे MīmāSū. ii. 2. 9; अगुणा च कर्मचोदना MīmāSū. ii. 3. 6; तदिहागुणश्च कर्मशब्दः TantrVā. 580. 18 (*on* ii. 2. 25); MīmāKau. i. 262. 14 (*on* i. 4. 18); iiiB. 268. 3 (*on* ii. 2. 24); **1C** (Gr.) not secondary, principal ध्रुवचेष्टितयुक्तिषु चाप्यगुणे तदनल्पमतेर्वचनं स्मरत MahāBh. i. 335. 7 (*on* i. 4. 51); **2A** destitute of any good quality गुणान् गुणवतः शल्य गुणवान् वेत्ति नागुणः MahāBhā. viii. 27. 54; (याचकाः) संदृष्टमन्नपानार्थं गुणज्ञमगुणं तु वै । त्यजन्ति PauṣkS. 36. 124; लोकादेवाकृतप्रत्ययादगुणो गुणवान् वेत्यनवेक्ष्य गमनं कामो द्वेष इति संशयः KāmSū. 357. 19 (6. 6); Mṛcch. 4. 22; MārkP. 23. 108; Kirātā. 15. 15; ĀścaCū. i. 14. (1); अप्यगुणो मर्मज्ञः…सिद्धा इमे नरा स्त्रीषु RatiRaha. 13. 26; स्वयमगुणं वस्तु न खलु पक्षपाताद् गुणवद् भवति NītiVā. 28. 47; किमिक्षोर्दोषोऽसौ न पुनरगुणाया मरुभुवः BhallaS'. 56; S'ivaP. ii(3). 8. 11 (131B. 4); ii(3). 31. 44 (160A. 1); अन्धः काणश्च तौ द्वौ द्वौ स्याद्वै च सगुणोऽगुणः BhaviP. 322B. 16 (ii(1). 5. 32); GaṇeP. ii. 139. 35; वित्तहीनस्तु सद्गुणोऽप्यगुणः KalāVi. 2. 56; SubhāRaK. 42. 24; VyaktiVi. 60. 17; SūktiMu. 35. 5; S'ārṅgaPa. 1052; SaduktiKa. 267. 22; 225. 6; RasāSu. 36. 18 (1. 156); Subhāṣi. 947; निर्दोषाप्यगुणा वाणी न विद्वज्जनरञ्जिनी MadhuVi. 1. 19; **2B** having bad qualites स्यादन्यथाऽगुणस्य हि संयोगो दुःखहेतुः सः KandaCū. iv. 2. 26; खातेऽम्बुनि अगुणे यदि … शत्रुतो भयम् VasiS. 45. 83; **3A** without (the three) qualities बहवस्तु पुरुषाः चेतनवन्तोऽगुणाः SuśruS. iii. 1. 9; सत्त्वरजस्तमांस्यस्मिन्न सन्त्यतोऽगुणः (पुरुषः) TattvSa. 123. 4; 123. 12; गुणवत्यगुणस्य सतः सस्यार्थमपार्थकं चरति SāṁkhyaKā. 60; त्रिगुणं व्यक्तमव्यक्तम्, अगुणः पुरुषः SāṁkhyaKāBh. 8. 31 (*on* 11); साङ्ख्यास्त्वामगुणमथाहुरेकरूपम् KūrmaP. 25. 62; स्यादेतत् पुरुषश्चेदगुणोऽपरिणामी कथमस्य मोक्षः SāṁkhyaTaKau. 472. 1 (*on* 62); SyādvāMañ. 15. (77); MāṭhVṛ. 20. 13 (*on* 11); 74. 19 (*on* 60); धिष्ण्यं गुणानाम्…अगुणमपि मुखं खण्डितामूर्तिकीर्तेः JinaS'. 3. 2; **3B** without any quality (of the Nyāya-Vaiśeṣika system) एकद्रव्यमगुणं संयोगविभागेषु अनपेक्षकारणमिति कर्मलक्षणम् VaiśeSū. i. 1. 17; (कार्यद्रव्यम्) क्षणमात्रमगुणं तिष्ठति BrahmSūBh.(S'aṅ.) 366. 8 (*on* ii. 2. 11); सामान्यवानगुणः (गुणः) NyāyKa. 15. 16; उत्पन्नं द्रव्यं यावदगुणमुत्पद्यते Kiraṇā. 118. 13; 159. 15; अगुण इति गुणलक्षणांशस्यासिद्धेः KhaṇḍanKhā. 1072. 5; TattvPradī.(Ci.) 183. 1; गुणः सामान्यवानगुणः TarkSaṁ.(Ā.) 56. 8; VivaPraSaṁ. 18. 7; Vādā. 104. 2; Upask. 35. 5 (*on* i. 1. 17); SarvaDaKau. 5. 10; **3C** without any attribute अगुणो गुणकार्यश्च MahāBhā. xiii. 17. 92; व्यतीतं चिन्तयेत् … नित्यमतीन्द्रियमगुणम् ViṣṇuSm. 97. 2; शृणु तत्परमं सूक्ष्मम् … नामजात्यादिरहितमवर्णमगुणं त्वपि । … तद्विष्णोः परमं पदम् AhirbuS. 31. 8; ViṣṇuP. i. 22. 41; MārkP. 4. 37; 46. 13; नमः शरण्याय नमोऽगुणाय MatsyaP. 154. 263; अगुणो गुणभाजनः EI. x. 8. 2; x. 10. 2; तथा गुणवदगुणमिति वा…यो विकल्पयितुमिच्छति AitUBh. 277. 3 (*on* 4. 0); UpadeSā. 19. 26; व्यतिरिक्तवृत्तिरगुणो गुणस्थितिः HarVi. 6. 58; अन्तर्यामी परः साक्षादशरीरोऽगुणोऽद्वयः BṛĀraUBhVā. i. 4. 945; i. 4. 1364; iii. 7. 33; स एवेदं ससर्जाग्रे भगवानात्ममायया सदसद्रूपया चासौ गुणमय्यागुणो विभुः BhāgP. i. 2. 30; i. 18. 14; ii. 6. 30; ii. 8. 1; x. 3. 19; x. 16. 40; xi. 24. 11; जननि — त्वं